निदेशालय में झाड़ू लगाकर किया विरोध प्रदर्शन

शिक्षा निदेशालय के सामने झाड़ू लगाते आउटसोर्सिंग कार्मिक संघ के सदस्य।

देहरादून (एसएनबी)। आउट सोर्सिंग कार्मिक संघ रमसा ने विद्यालयी शिक्षा निदेशालय में झाड़ू लगाकर अपना विरोध प्रदर्शन किया। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि अनुबंध का नवीनीकरण न होने से आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मांगों पर शीघ्र कार्रवाई न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

■ अनुबंध का नवीनीकरण न होने से आउटसोर्सिंग कार्मिकों में रोष

सोमवार को शिक्षा निदेशालय में रमसा के अंतर्गत आउट सोर्सिंग के जरिये नियुक्त प्रयोगशाला व कार्यालय सहायकों ने नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। इसके बाद उन्होंने निदेशालय में झाड़ू लगाकर साफ-सफाई की। संघ के नेताओं ने कहा कि अनुबंध की अवधि 31 मार्च को समाप्त होने के बावजूद अभी तक अनुबंध का नवीनीकरण नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा मौखिक रूप से सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया था जिससे सभी कार्मिक अनुबंध बढ़ने की आस में अपने-अपने विद्यालयों में मौजूद है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा दिया गया आश्वासन झूठा साबित होने से लोगों में आक्रोश है। यदि शासन द्वारा शीघ्र अनुबंध का नवीनीकरण न किया गया तो संघ आंदोलन तेज करने के लिए बाध्य होगा। प्रदर्शनकारियों में संघ के अध्यक्ष अध्यक्ष सुभाष लखेड़ा, उपाध्यक्ष वीपी सती, महासचिव आनन्द बडोनी, मीडिया प्रभारी योगेन्द्र बडोनी, शालिनी, रेखा ध्यानी, शबनम आदि ने धरना दिया।

संविदा कर्मचारियों के आन्दोलन को समर्थन

देहरादून (एसएनबी)। ओएनजीसी हास्पिटल के पैरामेडिकल स्टाफ के संविदा कर्मचारियों का धरना मंगलवार को पांचवे दिन जारी रहा। ओएनजीसी प्रबंधन ने इन 42 संविदा कर्मचारियों को बीते शुक्रवार को नौकरी से बाहर करने का फरमान सुनाया था। प्रबंधन के निर्णय से खफा संविदा कर्मचारी भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले ओएनजीसी अस्पताल के गेट पर धरना दे रहे हैं। विधायक हरबंस कपूर, आंदोलनकारी सम्मान परिषद के पूर्व अध्यक्ष रविन्द्र जुगरान समेत उक्रांद, राज्य आंदोलनकारी संगठन, विद्युत संविदा कर्मचारी संगठन व ओएनजीसी महिला पॉलीटेक्निक कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारियों ने धरनास्थल पहुंचकर संविदा कर्मियों के आंदोलन को समर्थन दिया है। कर्मचारी कल (आज) ओएनजीसी प्रबंधन की सदबुद्धि के लिए बुद्धि-शुद्धि यज्ञ करेंगे।

■ ओएनजीसी हास्पिटल के गेट पर कर्मचारियों का धरना पाचवें दिन जारी
■ प्रबंधन की सदबुद्धि के लिए करेंगे यज्ञ
■ ओएनजीसी प्रबंधन पर लगाए आरोप
■ विधायक हरबंस कपूर व रविन्द्र जुगरान भी पहुंचे धरनास्थल पर
■ आठ सूत्री मांगों का समाधान न होने तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान

आंदोलित संविदा कर्मचारियों का कहना है कि ओएनजीसी प्रबंधन ने उनके साथ अन्याय किया है। सभी संविदा कर्मचारी पिछले डेढ़ दशक से ओएनजीसी अस्पताल में कार्यरत थे। इस दौरान संविदा कर्मचारियों को वेतन के अलावा सभी सुविधाओं से वंचित रखा गया। इसके बाद भी संविदा कर्मचारी ईमानदारी से ड्यूटी का निवर्हन करते रहे। ओएनजीसी प्रबंधन ने ऐन वक्त संविदा कर्मचारियों को नौकरी से बाहर करने का निर्णय लिया है। इसमें उच्च न्यायालय के आदेशों को दरकिनार कर दिया गया है। कर्मचारियों का कहना है कि ओएनजीसी के अधिकारी रिक्त पदों पर अपने रिश्तेदारों को एडजस्ट करना चाहते हैं। केंद्र व राज्य सरकार के सामने इस मामले को पुरजोर तरीके से उठाने की बात उन्होंने कही है। उनका कहना है कि संविदा कर्मचारियों की आठ सूत्री मांगों का जब तक समाधान नहीं किया जाता आंदोलन जारी रहेगा। धरने पर नितिन चटर्जी, राजेश, अरुण बिजल्वाण, रोहित, केशव, जितेन्द्र कैंतुरा, अनूप नेगी, विमल चंद्रा, सारिका, ज्योति डोबरियाल, महक जैन व देवप्रभा आदि डटे रहे।

अनशनकारियों की हालत बिगड़ी, चार अस्पताल में

पॉलीटेक्निक सविदा शिक्षकों को धरनास्थल से उठाते पुलिसकर्मी।

देहरादून (एसएनबी)। पांच सूत्री मांगों को लेकर आमरण अनशन पर बैठे पॉलीटेक्निक संविदा शिक्षकों की हालत बिगड़ने लगी है। मंगलवार को प्रशासन ने चार अनशनकारियों को जबरन उठाकर चिकित्सालय में दाखिल करा दिया है।

■ मांगों को लेकर अनशन पर बैठे हैं पॉलीटेक्निक संविदा शिक्षक

आयोग की परिधि से बाहर किये गये पदों पर संविदा शिक्षकों को समायोजित करने की मांग को लेकर उत्तराखंड पॉलीटेक्निक संविदा शिक्षक सोसायटी का अनशन व धरना मंगलवार को भी जारी रहा। मंगलवार को अनशन पर बैठे पूरण राणा, मनीष भट्ट, विद्या नेगी व पूनम रावत की हालत बिगड़ गई। चिकित्सकों ने चारों अनशनकारियों की स्थिति खराब होने का हवाला देते जबरन अनशन तुड़वाने की सलाह दी। इसके बाद पुलिस प्रशासन ने अपराह्न करीब सवा तीन बजे उन्हें जबरन उठाकर कोरेनेशन चिकित्सालय में दाखिल करा दिया है। इन्हें उठाये जाने के बाद तीन अनशनकारी रह गये। बाद में दो और शिक्षक अनशन पर बैठ गये। सोसायटी के अध्यक्ष सर्वेश चौधरी ने कहा कि मांगों के पूरा होने के बाद ही आंदोलन समाप्त होगा। इस मौके पर महेश कुमार, महेश भट्ट, अशोक कुमार, मुकेश सिंह, नरेण पाठक, सिमरन बडवाल, कविता भंडारी, मुनीर, नमिता तिवारी, पंकज डागर, नंदकिशोर सती समेत अनेक लोग मौजूद थे।

ऑनलाइन रजिस्ट्री के खिलाफ मोर्चा

देहरादून (एसएनबी)। ऑनलाइन रजिस्ट्री के विरोध में वकीलों ने मोर्चा खोल दिया है। बार एसोसिएशन ने इसका विरोध करते हुये मंगलवार व बुधवार को कार्य से विरत रहने की घोषणा की है। बार अध्यक्ष राजीव शर्मा 'बंटू' ने बताया कि सरकार का यह कदम वकीलों के साथ जनता के हितों के खिलाफ है। यह सिर्फ कुछ अधिकारियों के दिमाग की अव्यावहारिक उपज है। इस योजना को लेकर सरकार के साथ अधिकारियों के दावे सच्चाई से दूर हैं।

■ वकीलों ने जनता के साथ खुद के हितों के खिलाफ बताया
■ मंगलवार और बुधवार को दो दिनों की सांकेतिक हड़ताल

मंगलवार को बार भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में बार अध्यक्ष राजीव शर्मा 'बंटू' ने रजिस्ट्री को लेकर सरकार की नई योजना विरोध किया। उन्होंने कहा कि इस योजना के लागू होने से न सिर्फ जनता की परेशानियां बढ़ेंगी बल्कि जमीन के खरीदार व बेचने वालों की सुरक्षा को खतरा है। यह सेवा लेटलतीफ होगी। इस योजना को तैयार करते समय सरकार ने अध्ययन नहीं किया।

कुछ अधिकारियों की निजी राय को अमली जामा पहना दिया। केवल पुणे में चल रही इस योजना को देहरादून में अपनाया गया है। अधिकारी इस योजना की खामियों को नजरअंदाज कर रहे हैं। इस योजना के बारे में सरकार के ऐसे वास्तविकता से परे हैं। इसमें रजिस्ट्री की प्रति तत्काल नहीं मिलेगी बल्कि कई सप्ताह का समय लगेगा। है। दाखिल-खारिज होने में छह माह का समय लग रहा है। लोगों को पुरानी रजिस्ट्री की प्रति सही समय पर नहीं मिल रही है।

ऑनलाइन रजिस्ट्री के खास बिंदु

- रजिस्ट्री सुबह सात से रात नौ बजे तक होगी
- रजिस्ट्री कार्यालय सातों दिन खोला जाएगा
- लोग घर से जमीन का विवरण नेट पर डाल सकेंगे
- स्टाम्प के लिए बैंक के चक्कर काटने पड़ेंगे
- डील रद्द होने पर स्टांप शुल्क वापसी की सुविधा नहीं
- रात तक रजिस्ट्री होने पर पैसा ले जाने वालों को खतरा
- यहां तक कि महिलाओं की सुरक्षा को भी खतरा रहेगा
- जनता परेशान होगी वकील मदद की स्थिति में नहीं होंगे

बाहर से जांच लिखने वाली डाक्टर को लगाई फटकार

देहरादून (एसएनबी)। अस्पताल में जांचों की सुविधा होने के बाद भी मरीजों को बाहर से जांच लिखने के मामले में दून अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डा. आरएस असवाल ने बाहर से दवा लिखने वाली चिकित्सक को कड़ी फटकार लगाई है। उन्होंने डाक्टर को चेतावनी दी कि अगर दूसरी बार शिकायत मिली तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दून अस्पताल में कमीशन के चक्कर में डाक्टर गरीब मरीजों की जेब पर डाका डाल रहे हैं। अस्पताल में अधिकतर जांचों की सुविधा होने के बाद भी कई डाक्टर मरीजों को जांचों के लिए बाहर भेज रहे हैं। सोमवार को भी ऐसा मामला प्रकाश में आया था। इसमें अस्पताल की एक सर्जन ने कई मरीजों को निजी सेंटरों में जांच के लिए भेज दिया। जो जांचें उन्होंने लिखी थी उनकी सुविधा अस्पताल में उपलब्ध है। मामले का संज्ञान लेते हुए प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डा. आरएस असवाल ने संबंधित चिकित्सक से स्पष्टीकरण मांगकर उन्हें जमकर फटकार लगाई। साथ ही चेतावनी दी कि अगर दूसरी बार शिकायत मिली तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डा. असवाल ने कहा कि अस्पताल के कोई भी डाक्टर बाहर की जांचें नहीं लिख सकते। खासकर वे जांचें जिनकी सुविधा अस्पताल में हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई भी डाक्टर ऐसा करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एलटी के २६०० पद खत्म करने पर शिक्षक नाराज

देहरादून (एसएनबी)। राजकीय शिक्षक संघ सहसपुर विकास खंड की बैठक में शिक्षा विभाग में एलटी के 2600 पदों को समाप्त करने पर आक्रोश जताया गया। साथ ही शिक्षक नेताओं ने शासन पर छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। बैठक में पद समाप्त करने वाले शासनादेश को वापस न लेने पर आंदोलन का निर्णय लिया गया।

मंगलवार को आयोजित बैठक में संघ के ब्लॉक अध्यक्ष अनन्त कुमार उपाध्याय ने कहा कि एलटी के 2600 पद समाप्त करने का शासनादेश इतिहास में काला अध्याय साबित होगा। शिक्षक नेताओं ने कहा कि आरटीई के तहत शिक्षक-छात्र अनुपात 1:30 होना चाहिए। शिक्षा विभाग 1:60 के अनुसार पदों का संकलन कर रहा है। इससे सबसे ज्यादा परेशानी स्कूलों में होगी क्योंकि सरकारी विद्यालयों के अधिकतर कमरों में 30 से अधिक छात्र नहीं बिठाये जा सकते। उन्होंने कहा कि वर्ष 2009-10 में प्रत्येक विद्यालय से शिक्षकों का वर्कलोड मांगा गया था। इसका क्रियान्वयन 2014-15 में हो रहा है। इस दौरान विद्यालयों में छात्रों की संख्या में इजाफा होने पर पदों का सृजन नहीं किया गया। विभागीय नियमानुसार कक्षा छह से 10 तक छात्रों को केवल प्रशिक्षित शिक्षक ही पढ़ा सकते हैं। नये फरमान के मुताबिक इन कक्षाओं को प्रवक्ताओं से संचालित करने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि अधिकांश प्रवक्ता प्रशिक्षित नहीं है। बैठक में उक्त शासनादेश का विरोध करने का निर्णय लिया गया। शिक्षक नेताओं ने कहा कि दो सप्ताह में शासनादेश वापस न लेने पर शिक्षक आंदोलन करने को बाध्य होंगे। बैठक का संचालन जितेन्द्र सिंह ने किया। इस मौके पर आरएम रावत, डा. अतुल कुमार श्रीवास्तव, केवीएस चौधरी, संजय रावत, महेन्द्र सिंह चौहान, भागीरथ चौधरी, केसी गैरोला, अर्चना कण्डवाल, उषा पंत, चंचल बरबर, अनिल कुकरेती व वीके त्रिपाठी ने विचार व्यक्त किए।

कार लूट कांड का खुलासा, एक दबोचा

देहरादून (एसएनबी)। हरिद्वार में गंगास्नान के लिए आए चार युवकों ने चालक को बेहोश कर कार लूट ली। पुलिस ने इस मामले का खुलासा कर दिया है। इस मामले को हरिद्वार से स्थानांतरित कर देहरादून भेजा गया था।

पुलिस ने मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। एसएसपी अजय रौतेला ने पत्रकारों को बताया कि गत 15 मई को कोतवाली क्षेत्र से कार बुक कराकर बिजनौर ले जाया गया। रास्ते में कार चालक धर्मपाल को बेहोश कर हाथ-पैर बांध कर रास्ते में फेंक दिया। कार में सवार बदमाश कार लूट कर फरार हो गए। हरिद्वार में सड़क किनारे धर्मपाल को देख किसी ने पुलिस को सूचना दी।

श्यामपुर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। इस मामले को बाद में देहरादून कोतवाली स्थानांतरित किया गया। एसएसपी अजय रौतेला ने मामले की जांच एसओ रायपुर मुकेश त्यागी को सौंपी। मुकेश त्यागी ने विक्की टम्टा, योगेंद्र शर्मा, गंभीर, अरविंद, योगेंद्र, डबल सिंह, सुनील तथा अनिल के नेतृत्व में टीम का गठन किया। पुलिस ने आरोपित को कार के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित ने अपनी पहचान मोनू पुत्र कृष्ण कुमार निवासी पीपल नगरी सूरज नगर ओबीडी स्कूल के पास मुरादाबाद बताया। उसने बताया कि वह साथियों के साथ हरिद्वार गंगा स्नान को आया था। उसने दोस्तों के साथ मसूरी घूमने की योजना बनाई।

पुलिस की गिरफ्त में कार लूट का आरोपित।

■ चालक को बेहोश कर कार लूटी थी, हरिद्वार गंगा स्नान के लिए आए थे आरोपित

उसने किराये पर कार बुक कराई और मसूरी से लौटते समय वारदात को अंजाम दिया। कार चालक को उन लोगों ने शराब पिलाई। इसके बाद सभी ने लूट की योजना बनाई। धर्मपाल बेसुध हो गया तो उसके हाथ-पैर बांध कर सड़क किनार फेंक कर फरार हो गए। उधर पुलिस टीम को डीआईजी व एसएसपी की तरफ से क्रमशः पांच हजार व ढाई हजार रुपये इनाम देने की घोषणा की गयी है। इस मामले में कासिम, शालू और पहलवान निवासीगण मुरादाबाद की तलाश है।

सिरफिरे ने एटीएम पर मारा पत्थर, शीशा टूटा

देहरादून (एसएनबी)। सिरफिरे युवकों की हरकतों ने थाना नेहरू कॉलोनी पुलिस की परेशानी एक बार फिर बढ़ा दी है। बाइक सवार दो युवकों ने चलती बाइक से एटीएम पर पत्थर मार दिया। उसके बाद वह फरार हो गये। केदारपुरम क्षेत्र की घटना की सूचना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी हुयी है।

■ बाइक सवार दो युवकों ने दिया घटना को अंजाम

जानकारी के मुताबिक घटना सोमवार रात करीब एक बजे की है। रात करीब एक बजे बाइक पर सवार होकर दो युवक एटीएम के पास से गुजरे। युवकों की उम्र 22 से 25 साल के बीच बतायी जा रही है। उन युवकों ने चलती बाइक से एटीएम के शीशे पर पत्थर मारा। पत्थर लगने से शीशा टूट गया। घटना को अंजाम देकर युवक फरार हो गये। उधर घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि अंधेरा होने व बाइक की गति तेज होने के चलते सीसीटीवी फुटेज में तस्वीर साफ नहीं दिखाई दे रही है।

AJAY KUMAR GARG INSTITUTE OF MANAGEMENT
27th Km. Stone, Delhi-Hapur Bypass Road, Adhyatmik Nagar, Ghaziabad-201 009

ADMISSION NOTICE : 2014–15
Registration for Admission against few Vacant/Lapsed seats

MBA I YEAR

Eligibility : As stated in UPSEE-2014 Admission Brochure

Important Dates:
- Last date of submission of Registration Form : August 12, 2014
- Intimation of admission to selected students : August 13, 2014
- Last date for submission of fee by the selected candidates: August 14, 2014

Note: The Registration Form may be taken from the College Campus and can also be downloaded from the College Website: akgim.edu.inThe duly filled form must be submitted at College.

"Ragging is totally banned in the Institution and any one found guilty of ragging and/or abetting ragging is liable to be punished".

डॉक्टरों में तरक्की और तबादले को लेकर बेचैनी

देहरादून (एसएनबी)। लंबे समय से पदोन्नति की राह देख रहे चिकित्सकों की मुराद पूरी हो गई है। इसके बाद भी प्रमोशन और ट्रांसफर लिस्ट जारी न होने से डॉक्टर बेचैन हैं। इस समय डाक्टर ट्रांसफर व प्रमोशन लिस्ट की जानकारी लेने में जुटे हैं। कई चिकित्सक डीजी ऑफिस से लेकर शासन तक संपर्क कर रहे हैं।

■ 31 को होनी थी जारी सरकार ने 14 तक बढ़ा दिया समय

डॉक्टरों के प्रमोशन लंबे समय से रुके थे। 18 जुलाई को डॉक्टरों की मुराद पूरी हुई। 77 सीनियर मेडिकल ऑफिसर्स (एसएमओ) को ज्वाइंट डायरेक्टर (जेडी) पद पर पदोन्नत किया गया। इसमें दून अस्पताल के भी कई चिकित्सक शामिल हैं। इस बार विभाग ने प्रमोशन के साथ ही ट्रासफर की रणनीति बनाई है। जिन डॉक्टरों का प्रमोशन हुआ है उनका प्रमोशन भी तय है। प्रमोशन की घोषणा हुए 20 दिन से ज्यादा हो चुके हैं लेकिन न प्रमोशन लिस्ट जारी हुई है न ट्रासंफर सूची। इसके साथ इस बाबत शासनादेश जारी नहीं हुआ है। हालांकि ट्रांसफर की अंतिम तारीख शासन ने 31 जुलाई रखी थी। पंचायत चुनाव के कारण इसको बढ़ाकर 14 अगस्त तक बढ़ा दिया गया। लिस्ट जारी होने में देरी से डॉक्टरों में बेचैनी है। वे अपने प्रमोशन और ट्रांसफर के बारे में जानने को उत्सुक हैं। सूत्रों के अनुसार कुछ डॉक्टर तो छुट्टी पर होने के बाद भी डीजी ऑफिस से लेकर शासन तक के चक्कर लगाकर जानकारी जुटा रहे हैं। फिलहाल उन्हें स्पष्ट जानकारी नहीं मिली है।

गबन मामले में आरोपित को जमानत नहीं

देहरादून (एसएनबी)। मंगलवार को बैंक से जुड़े दो मामलों में आरोपितों को कोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया। पहला मामला पंजाब नेशनल बैंक से जुड़ा है। दूसरा मामला सीमेंट कारोबारी से संबंधित है।

पंजाब नेशनल बैंक की टीएचडीसी शाखा से फर्जी चेक से करोड़ों रुपये का गबन करने वाले को अदालत ने जमानत देने से इनकार कर दिया। 90 दिनों से जेल में रह रहे आरोपित ने जमानत मांगी थी। सीबीआई के मुताबिक फर्जी चेक का इस्तेमाल कर आरोपित ने पीएनबी से नौ करोड़ 27 लाख 51 हजार 746 रुपये निकाल लिए। यह रकम विभिन्न खातों से निकाली गई। इस मामले में चार आरपित जेल में बंद है। वहीं दूसरे मामले में फर्जी चेक से बैंक को नुकसान पहुंचाने के मामले में कोर्ट ने सीमेंट कारोबारी विशाल अग्रवाल निवासी जमनपुर सेलाकुई को जमानत देने से इनकार कर दिया। उसके खिलाफ पंजाब नेशनल बैंक की भाऊवाला शाखा प्रबंधक की तरफ से केस दर्ज कराया गया है। बीते साल 23 नवंबर को दर्ज मुकदमे में विशाल अग्रवाल पर फर्जी चेक का इस्तेमाल कर सवा आठ लाख रुपये निकालने का आरोप है।